

फर्द अहकाम

रामकरण

बनाम

दाखा देवी वगैरह

वाद संख्या.....62...../2022

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
29.04.2022	यह प्रकरण वादी की ओर से जरिये वकील महेश शर्मा पेश किया गया। प्रकरण दर्ज रजिस्टर हो, प्रस्तुत तलवाना नोटिस द्वारा तलबी प्रतिवादी होकर पत्रावली दिनांक 10.06.2022 को पेश हो।
10/6/22	आज दिनांक 10/6/22 को पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा आज कन्जैलर/कार्य बहिष्कार करने के कारण न्यायिक कार्यवाही नहीं हो पा रही। पीओसा अन्य कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 29/8/22 को पेश हो।
25/8/22	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा पत्रावली पेश करने के कारण न्यायिक कार्यवाही नहीं हो पा रही। पीओसा अन्य कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 24/11/22 को पेश हो।
24/11/22	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा पत्रावली पेश करने के कारण न्यायिक कार्यवाही नहीं हो पा रही। पीओसा अन्य कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 10/1/23 को पेश हो।
10/1/23	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा पत्रावली पेश करने के कारण न्यायिक कार्यवाही नहीं हो पा रही। पीओसा अन्य कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 10/1/23 को पेश हो।
3-3-2023	पत्रावली आज वादी द्वारा सिद्धो शर्मा पत्र 3 जदिये एकीकृत उद्घरण करने पर तलबी भी गई किन्तु पहचान करीब नही। वादी ने सिद्धो शर्मा पत्र उद्घरण कर विवेदन किया कि पक्षकारों के महत्व विवाद नहीं होने के कारण निष्पक्षीय वाद को आज नही पहचान चाहते हैं। अतः सिद्धो शर्मा पत्र स्वीकार कर वाद को सिद्धो कर तलबी रद्द कर/वादी को सिद्धो शर्मा पत्र सुना जाकर विवाद शान्त पत्र स्वीकार किया जाता है तथा वादी को वाद सिद्धो करने की स्वीकृति दी जाती है। अतः वादी का वाद सिद्धो कर तलबी रद्द किया जाता है। पत्रावली कैदल उद्घार देना गवर्न से बंद हो।

MIRAJANAR